EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

एकल संदेश

भारत लोक शिक्षा परिषद्

एकल विद्यालय

Registered Under IICA
ISO 9001 : 2008 (QMS)

महिला समिति

द्वितीय संस्करण
त्रैमासिक

जुलाई – सितम्बर, 2020

एकल अभियान एक महाअभियान

एकल अभियान एक महाअभियान है। एकल विद्यालय न केवल बच्चों को शिक्षित कर रहा है बल्कि जिस गांव में विद्यालय संचालित हो रहें है उस गांव का सर्वांगीण विकास हो रहा है। एकल विद्यालय का उद्देश्य शैक्षणिक समाज के निर्माण के साथ साथ राष्ट्रवाद की भावना को विकसित करना भी है। वर्तमान समय में 1,02,091 एकल विद्यालय सम्पूर्ण भारत में संचालित हो रहे है।

एकल अभियान द्वारा विचार क्रांति योजना के माध्यम से गांव में 4,17,164 ग्राम सैनिक एवं नगरों में 69,108 संच मित्रों को सोशल मीडिया के माध्यम से जोड़ा गया, ताकि सूचनाओं एवं सरकारी योजनाओं को समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुंचाया जा सके और ग्रामीण परिवार को डिजिटल क्रांति से जोड़ा जा सके ।

ग्राम और नगर संगठन को जोड़ने के लिए माननीय श्री श्याम जी गुप्त के मार्गदर्शन में हनुमान परिवार द्वारा आत्मबल को बढ़ने और विषम परिस्थितियों में भी संगठित रहने की शक्ति मिली, उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा स्वर्ग लोक का मार्ग नही बल्कि यही पर ही स्वर्ग लोक बनाने का मार्ग है। ग्रामीण नगरों की मातृ शक्ति, दुर्गा शक्ति के समन्वय द्वारा सामाजिक सशक्तिकरण को मजबूत करने का कार्य किया जाता है ।

एकल के गावों में ग्राम वासियों को इस महामारी से बचाने में अभूतपूर्व सहायता मिली, लॉक डाउन के समय विचार क्रांति के द्वारा नए और पुराने कार्यकर्ताओं ने मिलकर गांव की तरफ लौट रहे प्रवासी श्रमिकों को रोजगार दिलाने एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बता कर रोजगार आर्थिक संबल देने का भी कार्य कर रहे है। प्रवासी मजदूरों के लौटने से गावों में संसाधनों पर दबाव न बढ़े इसके लिए स्वरोजगार उपलब्ध कराकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी साकार कर रहे है।

भारत लोक शिक्षा परिषद्, महिला समिति के विभिन्न चैप्टरों में आयोजित कार्यक्रम

जम्मू चैप्टर

कानपुर चैप्टर

लखनऊ चैप्टर

वाराणसी चैप्टर

पूर्वी दिल्ली चैप्टर

पश्चिमी दिल्ली चैप्टर

उत्तरी दिल्ली चैप्टर

दक्षिणी दिल्ली चैप्टर

राष्ट्रीय महिला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम (10 अगस्त 2020)

श्रीमती सुलोचना गोयल

श्रीमती कनक अग्रवाल

श्रीमती मंजू अग्रवाल

श्रीमती दर्शना गोयल

श्रीमती सोनल रासिवासिया

श्रीमती साधना गुप्ता

श्रीमती बिंदु मित्तल

श्रीमती प्रवेश लता अग्रवाल

श्रीमती हेमलता अग्रवाल – अलका अग्रवाल

श्रीमती माधुरी अग्रवाल

श्रीमती प्रेम झावर

श्रीमती अनिला गुप्ता

श्रीमती अर्चना शाह

श्रीमती आशा

श्रीमती जया जैन

कु.दीप्ति

श्रीमती प्रतिभा अग्रवाल

श्रीमती कल्पना गुप्ता

श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल

श्रीमती लता रासीवासिया

श्रीमती वंदना मिंडा

श्रीमती शशि अग्रवाल

श्रीमती सीमा अग्रवाल

श्रीमती सुधा जालान

श्रीमती कविता अग्रवाल

श्रीमती गीता गुप्ता

श्रीमती कुमकुम लोहिया

श्रीमती रूबी शाह

श्रीमती पूनम अग्रवाल

श्रीमती पूनम गुप्ता

श्रीमती वीना जी

श्रीमती कमला जी

श्रीमती सुनीता गोयल

श्रीमती सुनीता जी

श्रीमती कुमुद बंसल

अनुभव कथन

आनंद पीठाधीश्वर,

महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी बालकानन्द गिरी जी महाराज –

शिक्षा से मनुष्य का व्यक्तित्व बनता है। जिस तरह से वर्तमान की नई पीढ़ी ने गाँव गाँव जाकर प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा दी तथा उसके व्यक्तित्व को एकल ने अपने संस्कार से संवारा है। यदि एकल इसी तरह से कार्य करता रहा तो संपूर्ण भारत के गाँव एकल से जुड़ जायेंगे। यदि अपने देश को आगे ले कर जाना है तो हमे संकल्प लेना होगा, हर असंभव कार्य को संभव करना होगा।"

वात्सल्य शिरोमणि पूजनीय साध्वी ऋतम्भरा जी "दीदी माँ"

"शक्तिवान तो बहुत लोग होते है परन्तु ये बोध होना कि शक्ति कहा लगे ये बहुत कम लोग ही जानते है। ईश्वर की कृपा जिन पर होती है उन्ही की शक्ति, ऊर्जा, करुणा, जवानी समाज एवं देश निर्माण के लिए समर्पित होती है। धर्म का अर्थ मात्र पूजा से नहीं है बल्कि अपने देश की संतानों के बंजर चित में सेवा का उद्यान पैदा करना धर्म है।

संत भूपेंद्र भाई पंड्या जी

मनुष्य कठिनाइयों का सामना करने से घबराता है, परन्तु गीता मनुष्य का हौसला बढ़ा कर हर परिस्थितियों का सामना करना सिखाता है। जरा सी भी परिस्थिति अलग हो जाये अनहोनी हो जाये अपेक्षा से विपरीत संयोग आ जाये तो व्यक्ति असहज होने लगता है। परन्तु हमें यह सीखना है कोई भी परिस्थिति बुरी नहीं होती बल्कि परिस्थिति केवल हमे सिखाने आती है"

माईंड पॉवर कार्यक्रम (29 अगस्त 2020)

श्रीमती किरण चोपड़ा (चेयरपर्सन, पंजाब केसरी)

इस समाज में स्त्रियों को यशोदा या राधा के रूप में देखा जाता है परन्तु आज के समय में जिस कारण स्त्रियों पर अत्याचार हो रहे है समाज के लिए बहुत बड़ी विसंगति है।

मैं आज के समय में पुरुषों को कृष्ण के रूप मे देखना चाहती हूँ जिस तरह कृष्ण ने द्रौपदी की लाज बचाई थी प्रत्येक पुरुष को ऐसे ही स्त्रियों की रक्षा के लिए आगे आना होगा। गीता के उपदेशों को अपने जीवन में उतरना, धर्म और कर्म के मार्ग पर चलने का प्रण लेना होगा ।

प्रो.मंजू श्रीवास्तव

(ट्रस्टी एकल अभियान ट्रस्ट, एवं प्रधान, एकल संस्थान)

हमारे वनवासी क्षेत्रो में जो बालक जन्म लेते है उनकी स्थिति बिल्कुल कान्हा जैसी होती है, यदि उनका लालन पालन एवं शिक्षण ठीक ढंग से कर दिया जाये तो आने वाले समय में एकल के बच्चे उन ऊँचाइयों को हासिल करेंगे जिसकी हम कल्पना भी नही कर सकते है।

तुलसी प्रतियोगिता – महिला समिति द्वारा (17 अगस्त 2020)

महिला समिति द्वारा 17 अगस्त 2020 को तुलसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे महिला समिति सहित, एकल की बहन कार्यकर्ता, आचार्या भी शामिल हुई है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को एक प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया है। माननीय श्री श्याम जी गुप्त एवं प्रो. मंजू श्रीवास्तव जी की प्रेरणा से यह प्रतियोगिता पूर्ण रूप से सफल हुई।

एकल सन्देश

श्रीमती अनुराधा वार्ष्णेय
(प्रेसीडेंट, कानपुर चैप्टर महिला समिति)

एकल से जुड़ कर जाना इस जुनून को इस आवाज़ को, जो हर गांव की शक्ति है आज की गूंज है। और यही गूंज तिरंगे को आसमान तक ले जाएंगे।

शिक्षाविद् से जीवन शुरू करने वाली डॉ अनुराधा वार्ष्णेय जी ने व्यवसाय में भी नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इनका मानना है कि नौकरी करके केवल अपना परिवार पाला जा सकता है लेकिन व्यवसाय करके बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टकोण एवं जनसेवा का संकल्प के साथ राष्ट्रनिर्माण में समर्पित भाव से सेवारत है। शिक्षा के प्रति इनके लगाव को इस बात से ही समझा जा सकता है कि जर्जर हो चुके सरकारी विद्यालयों का विभिन्न कंपनियों के सहयोग से पुनः उद्धार करने का कार्य भी कर रही है। अबतक इनके प्रयास से 10 से भी अधिक विद्यालयों का पुनः उद्धार किया जा चुका है। **एकल विद्यालय में पढने वाले ग्रामीण बच्चों के लिए 3 लाइब्रेरी भी बनवाया है। जिससे ग्रामीण शिक्षा में गुणात्मक सुधार आ सके।**

जय एकल जय एकल अभियान

तीज महोत्सव- 21 जुलाई 2020

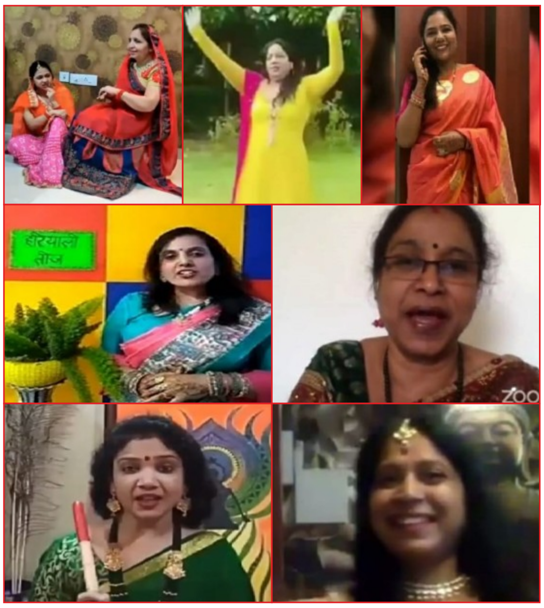

संपादक की कलम से................

माधुरी अग्रवाल

**(उपप्रधान राष्ट्रीय महिला समिति,
उपाध्यक्षा, केंद्रीय महिला समिति चैप्टर डेवलपमेंट)**

आज हम सभी मन की शांति की खोज में रहते हैं और मेरा ख्याल है कि मन की शांति हमें कोई अच्छा कार्य करके एक सुकून देती है कि आज हमारा दिन बन गया । अपने लिए तो सभी जीते हैं। अमेरिका से एक बहुत बड़े डॉक्टर बेंगलुरु में वापिस आए और हमने उनसे पूछा कि आप इतने साल बाद कैसे लौटे तो उनका कहना था कि हम सब जीते हैं..

1. सबसे पहले मी ..मेरे लिए 2. दूसरा मनी... पैसे के लिए 3. तीसरा फैमिली.. परिवार के लिए

4. फिर जब हम शांति और प्रेम की ओर जाते हैं तो सोसाइटी समाज के लिए सोचते हैं । मैं कई संस्थाओं से जुड़ी हूं पर पाती हूं कि एकल से बेहतर कार्य करने के लिए कोई और संगठन नहीं हो सकता । यहां एक–एक पैसे का हिसाब रखकर सही दिशा में खर्च करने के लिए ..तन –मन.–धन से लोग जुड़े हुए हैं।

यह यात्रा झारखंड की कोयले की खदानों से शुरू हुई ,जिसमें श्री मदन मोहन जी ने कोयले की खदानों में बच्चों को काम करते देखा , जिनकी पढ़ने की उम्र थी। उन्होंने वहां 60 स्कूल खोले और फिर प्रेरणास्रोत मेंटर माननीय श्याम जी गुप्त और हमारी प्रेरणा स्रोत मंजू दीदी के साथ मिलकर यह यात्रा 32 साल पहले शुरू हुई और आज हम एक लाख स्कूल तक पहुंच गए हैं।

महिला समिति द्वारा की गयी नई पहल –

- ग्राम संगठन एवं नगर संगठन में समिति प्रभारियों की नियुक्ति एवं उनसे नियमित रूप से सम्पर्क कर गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करना ।
- सभी चैप्टर्स की महिला समितियों से सदस्यों को मार्गदर्शन एवं संगठन में होने वाली गतिविधियों से अवगत कराने हेतु मंजू दीदी के साथ समन्वय समिति में जोड़ना ।
- कानपुर चैप्टर महिला समिति द्वारा तीन गाँवों में पुस्तकालयों की स्थापना एवं रोटेशन के आधार पर पुस्तकों का वितरण ।
- कानपुर चैप्टर महिला समिति द्वारा अंचल कानपुर देहात के नयापुरवा विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन ।
- हनुमान प्रतियोगिता में मातृशक्ति को जोड़ना । जम्मू चैप्टर की महिला समिति द्वारा लगभग 250 लोगो को इस प्रतियोगिता से जोड़ा गया ।

एकल की गौरव - एकल की छात्रा कल्पना कुमारी का अनुभव कथन

25 जुलाई 2020 को महिला समिति की मासिक बैठक में राँची की रहने वाली एकल की छात्रा कल्पना कुमारी ने अपना अनुभव साझा किया।

अति पिछड़े गाँव से निकल कर एक इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने तक का सफ़र कैसा रहा इस बारे में कल्पना ने विस्तार से बताया ।

कल्पना ने बताया कि हमारे गाँव में लड़कियों के प्रति लोगो की भावना थी कि यदि लड़कियों को पढ़ाया जायेगा तो घर में काम कौन करेगा इस तरह का माहौल मेरे चारो तरफ था। एकल विद्यालय के आने से पूरे गाँव का माहौल ही बदल गया। गाँव का हर व्यक्ति शिक्षा का महत्व समझने लगा। मेरे जीवन में जो बदलाव हुआ वह मेरे माता पिता द्वारा दिए गए संस्कार तथा एकल विद्यालय द्वारा दी गयी शिक्षा है। इंजीनियरिंग कॉलेज में जब मैं अपने साथी तथा अन्य लोगों को एकल के बारे में बताती हूँ तो वह मुझसे पूछते है कि हम एकल के लिए क्या कर सकते है मैंने उनको बताया कि जीवन में आप दूसरों को नैतिक शिक्षा दे सकते है, उसका मार्गदर्शन कर सकते है, आज मैं जो कुछ भी हूँ एकल की वजह से हूँ ।

Status of Mahila Chapters as of 10.09.2020

Chapter	Members	Meetings held	Funds Collection
Delhi Chapters			
North	28	8	36 Schools
West	30	5	54 Schools
South	13	2	39 Schools
East	14	3	50 Schools
Outside Delhi Chapters			
Kanpur	20	3	1 School
Lucknow	60	2	
Jammu	31	6	1 School
Varanasi	7	2	2 Schools

Sponsor 1 student – 1 Year – Rs. 1000/-
Sponsor 1 Village – 1 Year – Rs. 22000/-

Donate online

Online payment through *Website* - *www.blspindia.org*
Through Debit Card/ Credit Card

Donate Now

Paytm online through website - *Paytm QR code*

Pay online through *NEFT/RTGS*

Bank Name: Union bank of India,Branch : Shalimar Bagh, Delhi, **Account Name**: Bharat Lok Shiksha Parishad , **A/C NO.** 467902050000186, **IFSC code:** UBIN0546798

Crowd Funding Donation Link : https://rb.gy/jka5pj-

Follow us on

एकल अभियान से जुड़ने के लिए हमारी वेबसाइट **www.blspindia.org** मोबाइल नंबर–9999399063 पर सम्पर्क करें एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु भारत लोक शिक्षा परिषद् A/C No: 467902050000186, IFSC Code : UBIN 0546798 Union Bank of India,

EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

प्रकाशक : भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक : श्रीमती माधुरी अग्रवाल (उपाध्यक्ष, सेन्ट्रल डिवलप्मेंट कमेटी)
दूरभाष : 011–47523879, 42478184, 9999399063
जी आई–17, जी.टी. करनाल रोड, इण्डस्ट्रीयल एरिया, आजादपुर, दिल्ली–110033
Email : info@blspindia.org, administration@blspindia.org
Website : www.blspindia.org

एकल विद्यालय